

पर्वतेश्वर पुं. (तत्.) हिमालय, पर्वतों का राजा, पर्वतों का ईश्वर।

पर्वतोद्भुव पुं. (तत्.) 1. पारा 2. शिंगरफ वि. पर्वत पर उत्पन्न होने वाला।

पर्वतोद्भूत पुं. (तत्.) अबरक वि. पर्वत पर उत्पन्न।

पर्वतोर्भि पुं. (तत्.) एक प्रकार की मछली।

पर्वधि पुं. (तत्.) चंद्रमा।

पर्वभाग पुं. (तत्.) मणिबंध, कलाई।

पर्वमूल पुं. (तत्.) चतुर्दशी और अमावस्या का संधिकाल, चतुर्दशी और पूर्णिमा का संधिकाल।

पर्वयोनि पुं. (तत्.) ऐसी वनस्पति जिसमें गाँठ हो, जैसे- गन्ना, बाँस।

पर्वर पुं. (तत्.) परवल वि. पालन करने वाला, परवर।

पर्वरिश स्त्री. (फा.) 1. पालना-पोसना, पालन-पोषण 2. दे. परवरिश।

पर्वरीण पुं. (तत्.) 1. पर्व 2. मृतक, मुर्दा 3. अभिमान, घमंड 4. वायु 5. दे. पर्परीण।

पर्वरूह पुं. (तत्.) अनार।

पर्ववल्ली स्त्री. (तत्.) दूब, दूर्वा।

पर्वसंधि पुं. (तत्.) 1. पूर्णिमा और प्रतिपदा के बीच का समय या अमावस्या और प्रतिपदा के बीच का समय 2. सूर्य अथवा चंद्रमा को ग्रहण लगने का समय 3. घुटने पर का जोड़।

पर्वास्फोट पुं. (तत्.) उँगलियों को चटकाना, उँगली चटकाने की ध्वनि, चटकाने की क्रिया।

पर्वाह पुं. (तत्.) 1. पर्व का दिन, ऐसा दिन जिसमें कोई पर्व या त्योहार हो 2. दे. परवाह।

पर्विणी स्त्री. (तत्.) 1. दे. पर्व 2. त्योहार का दिन।

पर्वित पुं. (तत्.) एक प्रकार की मछली।

पर्वेश पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा, इंद्र, चंद्रमा, कुबेर, वरुण, अग्निदेव तथा यम- जो कि छह-छह माह के

ग्रहण के अधिपति होते हैं 2. ग्रहण का अधिपति देवता।

पर्शु पुं. (तत्.) 1. फरसा, परशु 2. पसली, पाँजर 3. अस्त्र, हथियार, आयुध।

पर्शुका स्त्री. (तत्.) छाती की हड्डियाँ, पिंजर, पसली, बगल की हड्डी।

पर्शुपाणि पुं. (तत्.) 1. गणेश 2. परशुराम, फरसा हो जिसके हाथ में।

पर्श्वध पुं. (तत्.) कुठार, फरसा।

पर्षद् स्त्री. (तत्.) 1. परिषद् 2. चारों वेदों के ज्ञाताओं की सभा या समाज 3. धर्मोपदेशक।

पर्षद्वल पुं. (तत्.) परिषद् का सदस्य, परिषद्, पार्षद।

पर्हेज पुं. (फा.) 1. राग आदि गायन के समय अपथ्य वस्तु से बचना या उसका त्याग 2. रोगी द्वारा किया जाने वाला संयम 3. बचना, दूर रहना, अलग रहना जैसे- घमंडी लोगों से परहेज, नशीले पदार्थों से परहेज।

पर्हेजगार वि. (फा.) पर्हेज करने वाला।

पलंकट वि. (तत्.) डरपोक, भीरु, भयग्रस्त।

पलंकर पुं. (तत्.) पित्त।

पलंकष पुं. (तत्.) गुग्गुल, गूगल।

पलंकषा स्त्री. (तत्.) 1. गोखरू 2. गुग्गुल 3. रास्ना 4. टेसू, पलास 5. लाख 6. गोरखमुंडी 7. मक्खी।

पलंका स्त्री. (देश.) 1. बहुत दूर का स्थान 2. लंका से दूर या दूर का देश पुं. 1. परलंका 2. पलंग, पल्यंक।

पलंग पुं. (तत्.) 1. अच्छी या बढ़िया चारपाई, लंबी-चौड़ी और सुंदर चारपाई, खाट, निवाड़ से बुनी जाने वाली चारपाई।

पलंगड़ी स्त्री. (देश.) पलंग।

पलंगतोड़ वि. (देश.) 1. स्तंभन पैदा करने वाली औषधि, वीर्यवृद्धि करने वाली दवा 2. आलसी, निकम्मा, निठल्ला।